पाठ- **5.** दोस्त की पोशाक

तुम्हारे सवाल
कहानी के बारे में कई पाँच प्रश्न बनाकर नीचे दी जगह में लिखो| कॉपी में उनके उत्तर लिखो|
प्रश्न 1.नसीरुद्दीन किससे मिलकर बहुत खुश हुए?
उत्तर- नसीरुद्दीन जमाल साहब से मिलकर बहुत खुश हुए|

प्रश्न 2. नसीरुद्दीन ने हुसैन साहब से क्या कहा?
उत्तर- नसीरुद्दीन ने हुसैन साहब से कहा की जमाल साहब मेरे पुराने दोस्त है और इन्होने जो अचकन पहनी है वह इनकी अपनी ही है|

प्रश्न 3. नसीरुद्दीन ने अपने पडोसी को जमाल साहब की पोशाक के बारे में क्या बताया?
उत्तर- उन्होंने जो अचकन पहन रखी है, वह मेरी है|

प्रश्न 4. जमाल साहब ने नसीरुद्दीन को क्या समझाया?
उत्तर- जमाल साहब ने नसीरुद्दीन को समझाया कि पोशाक के बारे में न कहना ही अच्छा है|

प्रश्न 5. जमाल साहब ने घुमाने जाने से क्यों मना कर दिया?
उत्तर- जमाल साहब की पोशाक मामूली सी थी, इसलिए उन्होंने घुमाने जाने से मना कर दिया|

तुम्हारी बात
नसीरुद्दीन और जमाल साहब बनठन कर घूमने के लिए निकले|
(क) तुम बनठन कर कहाँ-कहाँ जाते हो?
उत्तर- मैं बनठन कर अपने दोस्तों के जन्मदिन की पार्टी में और अपने रिश्तेदारों के घर जाता हूँ|

(ख) तुम किस-किस तरह से बनते-ठनते हो?
उत्तर- मैं नहा-धोकर नए कपड़े पहनता हूँ| कंघी करता हूँ तथा पॉलिश किए जुते पहनता हूँ|

तुम्हारी समझ से
(क) तीसरे मकान से बाहर निकलकर जमाल साहब ने नसीरुद्दीन से क्या कहा होगा?
उत्तर- जमाल साहब ने कहा होगा कि मैंने अचकन के बारे में कुछ न कहने को कहा था, फिर तुमने उसका जिक्र ही क्यों किया|

(ख) जमाल साहब अपने मामूली से कपड़ों में घूमने क्यों नहीं जाना चाहते होंगे?
उत्तर- जमाल साहब मामूली से कपड़ों में घूमते तो लोग कहते कि उनके पास अच्छे कपड़े नहीं है| इसलिए जमाल साहब अपने मामूली से कपड़ों में घूमने नहीं जाना चाहते होंगे|

(ग) नसीरुद्दीन अपनी अचकन के बारे में हमेशा क्यों बताते होंगे?
उत्तर- नसीरुद्दीन एक मजाकिया इंसान थे| वे अपने दोस्त से मजाक करे के लिए अपनी अचकन के बारे में हमेशा बताते होंगे|

घूमना-फिरना
नसरुद्दीन ने कहा, “चलो दोस्त, मोहल्ले में घूम आएँ|”
जब नसरुद्दीन दिन अपने दोस्त से मिले, वे उसे अपना मोहल्ला दिखाने ले गए|
जब तुम अपने दोस्तों से मिलते हो, तब क्या क्या करते हो?
उत्तर- मैं जब अपने दोस्तों से मिलता हूँ तब उनके साथ खाता-पीता हूँ| उन्हें साथ लेकर पार्क में घूमने जाता हूँ और उनके साथ खेलता हूँ|

शब्दों का हेरफेर
झूठा-जूठा
इन शब्दों को बोलकर देखो| ये मिलती-जुलती आवाज वाले शब्द हैं| जरा से अंतर से भी शब्द का अर्थ बदल जाता है|
नीचे इसी तरह के कुछ शब्दों के जोड़ दिए गए हैं| इन सबके अर्थ अलग-अलग हैं| इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो|
घड़ा – गढ़ा
घूम – झूम
राज – राज़
फन – फ़न
सजा – सज़ा
खोल – खौल
उत्तर- घड़ा – कुम्हार घड़ा बनाता है|
गढ़ा – तुमने सुन्दर मूर्ति गढ़ी है|
घूम – बच्चे पार्क में घूम रहे थे|
झूम – पौधे हवा से झूम रहे हैं|
राज – पुराने समय में यहाँ मुगलों का राज था|
राज़ – सबको तुम्हारे इस राज़ का पता चल गया है|
फ़न – तानसेन अपने फ़न में माहिर था|
फन – साँप ने अपना फन उठा लिया|
सजा – दिवाली के दिन सारा शहर सजा हुआ था|
सज़ा – चोर को सज़ा जरुर मिलेगी|
खोल – मम्मी ने दरवाज़ा खोल दिया|
खौल – उबला हुआ पानी खौल रहा था|